करियर शीट · CAREER SHEET

Footwear Designer

फुटवियर डिज़ाइनर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के जूते-चप्पल के नए डिज़ाइन और नमूना पैटर्न बनाता है। वह मौजूदा फैशन रुझानों, आराम, चमड़ा या अन्य सामग्री और लागत को ध्यान में रखते हुए स्केच बनाता है, रंग व मटेरियल चुनता है,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/footwear-designer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

फुटवियर डिज़ाइनर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के जूते-चप्पल के नए डिज़ाइन और नमूना पैटर्न बनाता है। वह मौजूदा फैशन रुझानों, आराम, चमड़ा या अन्य सामग्री और लागत को ध्यान में रखते हुए स्केच बनाता है, रंग व मटेरियल चुनता है, प्रोटोटाइप (सैंपल) तैयार करवाता है और उत्पादन टीम के साथ मिलकर उसे बाज़ार तक पहुँचाता है। भारत जूता निर्माण का एक बड़ा वैश्विक केंद्र है और आगरा, कानपुर तथा राजस्थान के चमड़ा उद्योग में इस काम की खूब माँग है। यह रचनात्मकता, तकनीक और हस्तशिल्प को जोड़ने वाला रोमांचक करियर है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं पास (किसी भी स्ट्रीम); डिप्लोमा/बी.डिज़ाइन उपयोगी
कोर्स अवधि	डिप्लोमा 1–2 वर्ष / बी.डिज़ाइन 4 वर्ष
आरंभिक वेतन	₹18,000–28,000/माह
कार्य-शैली	फैक्ट्री/डिज़ाइन स्टूडियो में पूर्णकालिक; फ्रीलांस भी

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- फैशन, स्टाइल और नए ट्रेंड में गहरी रुचि
- हाथ से स्केच बनाना और चीज़ों को डिज़ाइन करना पसंद
- चमड़ा, कपड़ा और मटेरियल के साथ प्रयोग करने का शौक

क्षमताएँ

- रचनात्मक कल्पना और रंग-आकार की अच्छी समझ
- बारीकी और सटीकता पर ध्यान
- हाथों से काम करने की कुशलता (हैंड्स-ऑन स्किल)

ज़रूरी कौशल

- फुटवियर स्केचिंग, इलस्ट्रेशन और डिज़ाइन प्रस्तुति
- पैटर्न बनाना (लास्ट, अपर, सोल) और सैंपल तैयार करना
- चमड़ा व अन्य सामग्री की पहचान और चयन
- CAD/डिज़ाइन सॉफ्टवेयर (जैसे Shoemaster, CorelDraw, Illustrator)
- फैशन ट्रेंड, रंग और मौसमी थीम का शोध
- आराम, फिटिंग और एर्गोनॉमिक्स की समझ

- लागत, उत्पादन और गुणवत्ता का ज्ञान

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं कक्षा किसी भी स्ट्रीम में पूरी करें और स्केचिंग/डिज़ाइन का अभ्यास करें।
2. FDDI-AIST, NID DAT या UCEED जैसी प्रवेश परीक्षा दें और फुटवियर/लेदर डिज़ाइन में डिप्लोमा या बी.डिज़ाइन में दाखिला लें।
3. राजस्थान में FDDI जोधपुर या ARCH जयपुर जैसे संस्थानों पर विचार करें।
4. CAD सॉफ्टवेयर, पैटर्न मेकिंग और मटेरियल की व्यावहारिक जानकारी बढ़ाएँ।
5. किसी जूता कंपनी, एक्सपोर्ट हाउस या डिज़ाइन स्टूडियो में इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप करें।
6. जूनियर/असिस्टेंट डिज़ाइनर के रूप में शुरुआत करें और पोर्टफोलियो बनाकर आगे बढ़ें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- FDDI अखिल भारतीय चयन परीक्षा (FDDI-AIST)
- यूसीड (UCEED) – आईआईटी बी.डिज़ाइन प्रवेश परीक्षा
- एनआईडी डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (NID DAT)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (FDDI) – जोधपुर कैंपस — जोधपुर, राजस्थान (https://fddiindia.com/campus-jodhpur)
- FDDI – स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (नोएडा व अन्य कैंपस) — नोएडा व अखिल भारतीय कैंपस (https://www.fddiindia.com/school-of-footwear-design-production.php)
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT) – जोधपुर — जोधपुर, राजस्थान (https://www.nift.ac.in/jodhpur/)
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन (NID) — अहमदाबाद व अन्य कैंपस (https://www.nid.edu/)

निजी संस्थान

- ARCH कॉलेज ऑफ डिज़ाइन एंड बिज़नेस (क्राफ्ट एवं एक्सेसरी डिज़ाइन) — जयपुर, राजस्थान (https://www.archedu.org/b-des-craft-accessory-design.html)
- काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (CLE) – प्रशिक्षण व उद्योग संसाधन — अखिल भारतीय / चेन्नई (https://leatherindia.org/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

- करियर्स360 – फुटवियर/शू डिज़ाइनर कैसे बनें — ऑनलाइन गाइड (https://design.careers360.com/articles/how-to-become-a-shoe-designer)

फ़ीस

FDDI जैसे सरकारी संस्थानों में फुटवियर डिज़ाइन के बी.डिज़ाइन कोर्स की फीस लगभग ₹1–1.5 लाख प्रति वर्ष होती है; डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स सस्ते होते हैं। ARCH जैसे निजी संस्थानों में यह ₹1.5–3 लाख प्रति वर्ष तक हो सकती है। योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति और फीस रियायत मिल सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study – डिज़ाइन एवं व्यावसायिक छात्रवृत्ति (https://www.buddy4study.com/)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

जूता निर्माण फैक्ट्रियाँ, एक्सपोर्ट हाउस, डिज़ाइन स्टूडियो, ब्रांड के डिज़ाइन विभाग, तथा आगरा, कानपुर व राजस्थान के चमड़ा क्लस्टर।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 5–6 दिन, रोज़ 8–9 घंटे काम होता है। समय स्टूडियो में स्केचिंग/डिज़ाइन और फैक्ट्री फ्लोर पर सैंपलिंग के बीच बँटा रहता है। सीज़नल कलेक्शन और डेडलाइन के समय काम का दबाव बढ़ जाता है। अनुभव के बाद फ्रीलांस या अपना ब्रांड शुरू करने का विकल्प भी रहता है।

कौन नौकरी देता है

- बड़े जूता ब्रांड जैसे बाटा, रिलैक्सो, वुडलैंड और मेट्रो शूज़
- स्पोर्ट्स व कैज़ुअल फुटवियर कंपनियाँ (जैसे प्यूमा, एडिडास, कैंपस, लिबर्टी)
- डिज़ाइन स्टूडियो, रिटेल चेन और ई-कॉमर्स फैशन कंपनियाँ
- आगरा, कानपुर व राजस्थान के फुटवियर व चमड़ा एक्सपोर्ट हाउस
- जूता/जुत्ती डिज़ाइन स्टार्टअप और D2C ब्रांड (जैसे नीमन्स, नीडलडस्ट)
- राजस्थान/आगरा के चमड़ा व हस्तशिल्प उद्यमी और क्लस्टर

माँग (2026)

भारत दुनिया के सबसे बड़े जूता उत्पादकों में से एक है और यहाँ का फुटवियर उद्योग तेज़ी से बढ़ रहा है। घरेलू माँग के साथ-साथ निर्यात भी बढ़ने से डिज़ाइनरों की ज़रूरत लगातार बनी हुई है। आगरा, कानपुर और राजस्थान के चमड़ा क्लस्टरों, बड़े ब्रांडों और नए D2C स्टार्टअप्स में कुशल फुटवियर डिज़ाइनरों के अच्छे अवसर हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. जूनियर / असिस्टेंट फुटवियर डिज़ाइनर
2. फुटवियर डिज़ाइनर
3. सीनियर डिज़ाइनर / डिज़ाइन लीड
4. डिज़ाइन हेड / क्रिएटिव डायरेक्टर या स्वतंत्र ब्रांड-उद्यमी

कमाई

शुरुआत	₹18,000–28,000/माह
मध्य स्तर	₹35,000–60,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹80,000–1,50,000+/माह

करियर्स360 के अनुसार भारत में फुटवियर डिज़ाइनर की औसत आय लगभग ₹29,000–31,000/माह के आसपास और वार्षिक रूप से ₹3–11 लाख के बीच होती है। अनुभव, ब्रांड और शहर के अनुसार वेतन बढ़ता है; सीनियर डिज़ाइनर, डिज़ाइन हेड या अपना ब्रांड चलाने पर आय काफी अधिक हो सकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- रचनात्मकता, फैशन और हस्तशिल्प को जोड़ने वाला रोमांचक काम
- बढ़ते भारतीय जूता उद्योग और निर्यात में अच्छे अवसर
- फ्रीलांस या अपना ब्रांड शुरू करने का विकल्प

चुनौतियाँ

- सीज़नल कलेक्शन और डेडलाइन के समय काम का दबाव
- शुरुआती स्तर पर वेतन सीमित हो सकता है
- फैक्ट्री फ्लोर और मटेरियल के साथ लंबे घंटे व मेहनत

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Shirin Mann
फुटवियर डिज़ाइनर व संस्थापक, नीडलडस्ट (हस्तनिर्मित जुत्ती ब्रांड)

चंडीगढ़ की शिरीन मान पहले पत्रकार थीं और उन्होंने फैशन की औपचारिक ट्रेनिंग नहीं ली थी। अपनी शादी के लिए मनपसंद जुत्ती न मिलने पर उन्होंने खुद अपनी जुत्ती डिज़ाइन की, जिसकी खूब तारीफ़ हुई। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने 2014 में 'नीडलडस्ट' ब्रांड शुरू किया और पारंपरिक जुत्ती को आधुनिक डिज़ाइन के साथ दोबारा फैशन में ले आईं। आज उनकी हस्तनिर्मित जुत्तियाँ दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट जैसी हस्तियाँ पहनती हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि जुनून और डिज़ाइन-समझ से फुटवियर के क्षेत्र में अपना ब्रांड खड़ा किया जा सकता है।

YourStory · https://yourstory.com/weekender/made-in-india-footwear-brand-needledust-deepika-padukone-priyanka-chopra

Taran Chhabra
संस्थापक, नीमन्स (सस्टेनेबल फुटवियर ब्रांड)

तरन छाबड़ा को अच्छे और आरामदायक जूते ढूँढने में परेशानी होती थी, जिससे उन्हें भारत में बेहतर फुटवियर बनाने का विचार आया। जूता उद्योग का पहले कोई अनुभव न होने पर भी उन्होंने दुनिया भर के निर्माण केंद्रों में जाकर शू-मेकिंग समझी और मेरिनो ऊन तथा रिसाइकल की गई सामग्री से बने पर्यावरण-अनुकूल जूते डिज़ाइन किए। 2018 में शुरू हुआ उनका ब्रांड 'नीमन्स' आज भारत के प्रमुख सस्टेनेबल फुटवियर ब्रांडों में से एक है। उनकी कहानी बताती है कि नए मटेरियल और डिज़ाइन-सोच से फुटवियर उद्योग में बड़ी पहचान बनाई जा सकती है।

Entrepreneur India · https://india.entrepreneur.com/business-news/a-sustainable-shoemaker/452662

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- टेक्सटाइल डिज़ाइन तकनीशियन
- उत्पाद डिज़ाइनर
- मल्टीमीडिया डिज़ाइनर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – फुटवियर डिज़ाइनर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/footwear-designer%e0%a4%ab%e0%a5%81%e0%a4%9f%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%b0-%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%a8%e0%a4%b0/

2. फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (FDDI) — https://fddiindia.com/

3. करियर्स360 – फुटवियर डिज़ाइनर सैलरी — https://design.careers360.com/articles/footwear-designer-salary-in-india

4. काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (CLE) — https://leatherindia.org/

5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in